शोध साहित्य SHODH SAHITYA
INTERNATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL
(समसामयिक विषयों पर केंद्रित बहुविषयक मासिक ई-शोध पत्रिका)
E-ISSN 2584-2447
Impact Factor – SJIF 2024 = 3.621

Vol -3
Issue -2
February
2025

मीडिया शिक्षा में पत्रकारिता क्षेत्र के अनुभवों की उपयोगिता का विश्लेषात्मक अध्ययन

अंकित पाण्डेय
शोधार्थी
प्रो (डॉ) मनीष कांत जैन
शोध पर्यवेक्षक
एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, भोपाल (मप्र)

शोध सारांश

समाज को सूचनाओं को संप्रेषित करने का कार्य मीडिया के माध्यम से किया जाता है। वर्तमान दौर सूचना क्रांति का दौर है। इस दौर में मीडिया के माध्यम से ही देश-दुनिया में होने वाली घटनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। मीडिया शिक्षा वह प्रक्रिया है, जिसके जरिये व्यक्ति मीडिया साक्षर बनते है। दूसरे शब्दों में इसको इस प्रकार से भी समझा जा सकता है, कि आमजन, मीडिया संदेशों और प्रस्तुतियों की प्रकृति, तकनीकों और प्रभावों को गंभीरता से समझने में सक्षम होते है। अब सवाल यह है, कि क्या मीडिया में साक्षर सिर्फ पाठ्यक्रम के जरिये हुआ जा सकता है या फिर मीडिया में अनुभवों की भी आवश्यकता होती है। प्रस्तुत अध्ययन के दौरान मीडिया के क्षेत्र में संचालित पाठ्यक्रमों और अनुभवों की आवश्यकता का अध्ययन किया गया है। यह जांचने का प्रयास किया गया है, कि क्या बाकी पाठ्यक्रमों जैसे ही मीडिया के पाठ्यक्रमों की पढ़ाई कर या डिग्री लेकर मीडिया साक्षर बनाया जा सकता है, या पिर पढ़ाई के साथ अनुभवों की आवश्यकता होती है।

बीज शब्द

साक्षरता, अनुभव, पाठ्यक्रम, सूचना क्रांति, प्रस्तुति आदि।

प्रस्तावना

मीडिया शिक्षा में मीडिया कार्य को एक पाठ या कलाकृति के रूप में माना जा सकता है। किसी कार्य का पाठ के रूप में विश्लेषण करने का अर्थ है, इसकी विषय-वस्तु और इसके

लेखकों द्वारा हमारा ध्यान आकर्षित करने तथा अर्थ संप्रेषित करने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित करना, जबकि इसे एक कलाकृति के रूप में मानने का अर्थ है इसके संदर्भ के बारे में सोचना। इसे किसने और क्यों बनाया, समान कार्यों से इसका संबंध, विभिन्न दर्शक इसे किस तरह से अलग-अलग तरीके से समझ सकते हैं, इत्यादि।

देशभर में मीडिया पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। लाखों की संख्या में हर संख्य विद्यार्थी प्रवेश भी ले रहे है। यही विद्यार्थी आगे चलकर मीडिया के विस्तार के कार्य में संलन्न होगे। मीडिया पाठयक्रमों के जरिये डिग्री दी जा रही है। यहां पर सवाल यह है, कि मीडिया की शिक्षा देने वाले शिक्षक कौन है और उनका मीडिया साक्षरता के प्रति क्या दृष्टिकोण है। यह सवाल इसलिये भी है, कि क्योकि मीडिया शिक्षा में पहला सबक यह है कि कोई भी चीज़ वस्तुनिष्ठ नहीं होती। हर मीडिया उत्पादन एक दृष्टिकोण और उद्देश्य के साथ बनाया जाता है। फिल्म या टेलीविज़न निर्माण में दर्शाई गई "वास्तविकता" कई विकल्पों का परिणाम है और इनमें से प्रत्येक विकल्प शामिल निर्माताओं के अनुभव, ज्ञान और पूर्वाग्रह पर आधारित होती है। मीडिया साक्षरता की इस आवश्यकता और वास्तविकता के आधार पर क्या यह कहना उचित होगा कि मीडिया साक्षरता या मीडिया की डिग्री में सिर्फ पेशवर शिक्षकों की उपयोगिता है या फिर इसमें पत्रकारिता के अनुभव की उपयोगिता हो सकती है।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत शोध अध्ययन के निम्न उद्देश्य निर्धारित किये गये है, जो इस प्रकार से है-

1. मीडिया के पाठ्यक्रमों का विस्तृत विवेचन प्रस्तुत करना।
2. मीडिया पाठ्यक्रमों को पढ़ाने की कार्ययोजना का अध्ययन करना।
3. मीडिया पाठ्यक्रमों की अध्ययन और अध्यापन प्रणाली में पत्रकारिता के अनुभव की आवश्यकता का पता लगाना।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन सर्वेक्षण विवरणात्मक शोध प्रविधि से पूरा किया गया है। अध्ययन में साक्षात्कार के माध्यम से प्राथमिक ऑकड़ों को संकलित किया गया है।

शोध साहित्य SHODH SAHITYA
INTERNATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL
(समसामयिक विषयों पर केंद्रित बहुविषयक मासिक ई-शोध पत्रिका)
E-ISSN 2584-2447
Impact Factor – SJIF 2024 = 3.621
Vol -3
Issue -2
February
2025

अध्ययन क्षेत्र

प्रस्तुत अध्ययन मध्यप्रदेश के भोपाल शहर में पूरा किया गया है। भोपाल शहर में संचालित मीडिया पाठ्यक्रमों की विषयवस्तु, अध्यापन प्रणाली, मीडिया शिक्षकों की जानकारी के साथ ही मीडिया से संबधित विषयवस्तु को संकलित किया गया है।

शोध उपकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में मीडिया शिक्षकों के लिये साक्षात्कार सूची का उपयोग किया गया है। साक्षात्कार सूची से प्राप्त विचारों, मतो, अभिमतों को प्राथमिक ऑकड़ों के रूप में संकलित किया गया है।

प्राथमिक ऑकड़ों के विश्लेषण के लिये प्रयुक्त विधियां

प्रस्तुत अध्ययन के दौरान संकलित किये गये प्राथमिक ऑकड़ों को विभिन्न सांख्यकीय विधियों के द्वारा विश्लेषित कर उनकी विस्तृत व्याख्या प्रस्तुत की गयी है।

अध्ययन के लिये न्यादर्श की चयन प्रक्रिया

प्रस्तुत अध्ययन मध्यप्रदेश के भोपाल शहर में किया गया है। अध्ययन के लिये भोपाल शहर में संचालित मीडिया पाठ्यक्रमों और उनके शिक्षण कार्य में संलन्न शिक्षकों को अध्ययन में रेडंम विधि से चयनित किया गया है, जो इस प्रकार से है-

संस्थान का नाम	मीडिया शिक्षकों की संख्या
1-माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता और संचार विवि, भोपाल (मप्र)	5
2-पीपुल्स पत्रकारिता महाविद्यालय, भोपाल (मप्र)	2
3-सेज यूनिवर्सिटी, भोपाल	2
4-जागरण लेक सिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल	3
5-मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भोपाल	2
कुल	14

इस प्रकार से अध्ययन के लिये भोपाल के 14 मीडिया शिक्षकों का चयन न्यादर्श चयन की रेडम विधि से किया गया है।

अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष

चयनित किये गये मीडिया शिक्षकों से साक्षात्कार के आधार पर प्राप्त मत, विचारों के आधार पर जो तथ्य सामने आये है, वे इस प्रकार से है-

1. मीडिया पाठ्यक्रमों की प्रकृति और प्रवृत्ति, दूसरे अन्य पाठ्यक्रमों से बिल्कुल अलग है।
2. जिस प्रकार का परिवर्तन मीडिया के क्षेत्र में हो रहा है, चाहे वह तकनीकी के क्षोत्र में हो, भाषा के प्रयोग के बारे में हो, तथ्यों के संकलन में हो या फिर अन्य प्रकार के परिवर्तन वह दूसरे अन्य पाठ्यक्रमों की तुलना में तेज गति से होता है।
3. मीडिया में कवरेज या फिर लेखन में कोई सर्वमान्य पक्ष या पहलू नहीं है, यह घटना, स्थिति या अन्य कारणों से प्रभावशील होता है, जबकि दूसरे अन्य पाठ्यक्रमों में इस बदलाव की गति धीमी या फिर नगण्य है।
4. मीडिया का क्षेत्र असीमित है। लगभग हर क्षेत्र वर्तमान दौर में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित है, ऐसे में मीडिया को पाठ्यक्रम में सीमित नहीं किया जा सकता है।
5. मीडिया में नित्य आ रहे तकनीकी बदलावों से शिक्षकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।
6. मीडिया पाठ्यक्रमों में पढ़ाई जाने वाली विषयवस्तु और क्षेत्र में होने वाली घटनाओं, दुघटनाओं, विपदाओं की हर बार स्थिति अलग-अलग होने से पढ़ाई गयी विषयवस्तु सिर्फ आधार का कार्य करती है। सिर्फ पढ़ाई के आधार पर क्षेत्र में कार्य करना इसी वजह से कठिन होता है।
7. पत्रकारिता के गुण अनुभव से ज्यादा विकसित होते है। यही वजह है, कि जब मीडिया पाठ्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में ज्यादा प्रचलित नहीं थे, जब भी पत्रकारिता होती थी।
8. पत्रकारिता की शिक्षा में सिद्धांत, सूत्र या नियमों की ज्यादा महत्वता नहीं है। इसी वजह से यह शिक्षा अन्य पाठ्यक्रमों की शिक्षा से भिन्न है।

9. अध्ययन के लिये चयनित शिक्षकों में से करीब 77 फीसदी शिक्षकों का मानना है, कि मीडिया पाठ्यक्रमों के शिक्षण के लिये अनुभव की आवश्यकता अनिवार्य होती है। बिना अनुभव सिर्फ थ्योरी के आधार पर मीडिया शिक्षा को पूरा नहीं किया जा सकता है।
10. मीडिया शिक्षा में सिद्धांत, सूत्र या नियमों का ज्यादा महत्व नहीं होता है। मीडिया में प्रकृति, परिवेश, तरीका या फिर कारणों का सबसे ज्यादा महत्व होता है और यह सभी अनुभव के आधार पर त्वरित गति से समझने जा सकते है।

निष्कर्ष

मीडिया संस्थानों में संचालित पाठ्यक्रमों और शिक्षकों से प्राप्त मत, विचारों के आधार पर इस निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है, कि मीडिया पाठ्यक्रमों के शिक्षण कार्य में अनुभव को प्राथमिकता दी जाने चाहिये। एक शिक्षक के रूप में स्थिति, परिस्थितियों, परिवेश का विश्लेषण कपने में व्यापक संदर्भ और सार्थक चर्चा की आवश्यकता होती है। भले ही यह पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा न हो, लेकिन पत्रकारिता का मूल गुण है। इसके अलावा दूसरा तथ्य यह है, कि मीडिया पाठ्यक्रमों में संज्ञानात्मक और भावात्मक दोनों पहलू होते है। संज्ञानात्मक पहलुओं को ब्लैकबोर्ड पर समझा जा सकता है, लेकिन भावात्मक पहलू के लिये अनुभव अनिवार्य अंग है। यानि इसको व्यापक अर्थ में इस प्रकार से भी समझा जा सकता है, कि पाठ्यक्रम और अनुभव आधारित मीडिया की पढ़ाई से विशेषज्ञों को तैयार किया जा सकता है। यही विशेषज्ञ जब समाज को साक्षर करने का कार्य करेंगे तो समाज की स्थिति बिल्कुल भिन्न दिखाई देगी।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. लिविंगस्टोन, एस. (2018) “मीडिया साक्षरता – विनियमन की समस्याओं का हर किसी का पसंदीदा समाधान।” मीडिया एलएसई। <https://blogs.lse.ac.u/medialse/2018/05/08/medialiteracy-everyones-favourite-solution-to-the-problems-ofregulation/>

2. गोल्डमैन, एसआर, ब्रिट, एमए, ब्राउन, डब्ल्यू., क्रिब, जी., जॉर्ज, एम., ग्रीनलीफ़, सी., ... और शहनहान, सी. (2016) अनुशासनात्मक साक्षरता के लिए एक वैचारिक ढांचा। शैक्षिक मनोवैज्ञानिक ।
3. लिविंगस्टोन, एस. (2014)। सोशल मीडिया साक्षरता विकसित करना: बच्चे सोशल नेटवर्क साइट्स पर जोखिम भरे अवसरों की व्याख्या कैसे करना सीखते हैं। संचार , 39 (3), 283-303।
4. https://mediasmarts.ca/digital-media-literacy/media-issues/diversity-media/
5. https://mediasmarts.ca/digital-media-literacy/general-information/digital-media-literacy-fundamentals/what-media%C2%A0education